K.P. C. PUBLIC SCHOOL, KHARGHAR
ASSESSMENT I – 2023-24

Grade – VIII **Marks - 40**
Subject - Hindi **Time – 2 Hours**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – खंड 'क' , खंड 'ख' , खंड 'ग' , खंड 'घ' |

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |

(iii) यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए |

खंड 'क' **(12 अंक)**

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(6 अंक)**

मुझसे तो वह घंटों बातें किया करता | कभी मेरी पढ़ाई के बारे में पूछता, कभी मेरे घर के बारे में और कभी यों ही शहर के जीवन के बारे में | मैं उससे कहता कि शहर में सब काँच की चूड़ियाँ पहनते हैं तो वह उत्तर देता, "शहर की बात और है, लला! वहाँ तो सभी कुछ होता है। वहाँ तो औरतें अपने मरद का हाथ पकड़कर सड़कों पर घूमती भी हैं और फिर उनकी कलाइयाँ नाजुक होती है न! लाख की चूड़ियाँ पहनें तो मोच न आ जाए।"

कभी-कभी बदलू मेरी अच्छी खासी खातिर भी करता। जिन दिनों उसकी गाय के दूध होता वह सदा मेरे लिए मलाई बचाकर रखता और आम की फसल में तो मैं रोज़ ही उसके यहाँ से दो-चार आम खा आता परंतु इन सब बातों के अतिरिक्त जिस कारण वह मुझे अच्छा लगता वह यह था कि लगभग रोज़ ही वह मेरे लिए एक-दो गोलियाँ बना देता |

मैं बहुधा हर गर्मी की छुट्टी में अपने मामा के यहाँ चला जाता और एक-आध महीने वहाँ रहकर स्कूल खुलने के समय तक वापस आ जाता | परंतु दो-तीन बार ही मैं अपने मामा के यहाँ गया होऊँगा तभी मेरे पिता की एक दूर के शहर में बदली हो गई और एक लंबी अवधि तक मैं अपने मामा के गाँव न जा सका |

प्रश्न :

1. बदलू लेखक से क्या-क्या बातें करता था ? 1
2. शहर की औरतों के बारे में बदलू ने क्या कहा ? 1
3. बदलू लेखक की खातिर कैसे करता था ? 1
4. गर्मी की छुट्टियों में लेखक कहाँ और कितने समय के लिए रहने जाता था ? 1
5. लेखक को बदलू किस कारण अच्छा लगता था ? 1
6. लंबी अवधि तक लेखक मामा के गाँव क्यों न जा सका ? 1

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: **(6 अंक)**

हम दीवानों की क्या हस्ती,
हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला,

हम धूल उड़ाते जहाँ चले |
आए बनकर उल्लास अभी,
आँसू बनकर बह चले अभी,
सब कहते ही रह गए, अरे,
तुम कैसे आए, कहाँ चले ?
किस ओर चले ? यह मत पूछो,
चलना है, बस इसलिए चले,
जग से उसका कुछ लिए चले,
जग को अपना कुछ दिए चले,

बहुविकल्पी प्रश्न :

1. दीवानों शब्द से क्या तात्पर्य है ? 1
   (क) प्रेम करने वालों के लिए ।
   (ख) देश पर मर मिटने वालों के लिए |
   (ग) सामान्य सैनिकों के लिए ।
   (घ) नव-युवकों के लिए |

2. वे टिककर एक स्थान पर क्यों नहीं बैठते ? 1
   (क) क्योंकि उन्हें घूमना अच्छा लगता था |
   (ख) क्योंकि वे स्थान-स्थान पर घूम कर शक्ति बटोर रहे थे |
   (ग) क्योंकि वे अपनी नीतियों को ब्रिटिश सरकार से छिपकर अंजाम देते हैं |
   (घ) क्योंकि उनका घर—बार नहीं था |

3. 'धूल उड़ाते जहाँ चले' शब्दों का क्या अर्थ है ? 1
   (क) उनके कदमों से धूल उठती है।
   (ख) बलिदानी वीर जहाँ भी जिस ओर जोश से बढ़ते हैं उनके कदमों से सारे वातावरण में धूल छा जाती है अर्थात् सब ओर उनका अस्तित्व दिखाई देता है।
   (ग) तेज कदमों से चलना
   (घ) मिट्टी के रास्ते पर बढ़ना

4. वे चाहते हुए भी अपने भाई-बांधवों के पास क्यों नहीं रह पाते? 1
   (क) क्योंकि उनका लक्ष्य अंग्रेजी सरकार का विरोध करना है |
   (ख) क्योंकि वे एक स्थान पर टिककर नहीं रह सकते।
   (ग) क्योंकि परिवार वाले उनके विचारों से प्रेरित नहीं होते।
   (घ) क्योंकि उनका लक्ष्य स्पष्ट नहीं |

5. 'दीवानों की हस्ती'' कविता के कवि हैं – 1
   (क) भगवतीचरण वर्मा
   (ख) कामतानाथ
   (ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
   (घ) हरिशंकर परसाई

6. 'उल्लास' शब्द का पर्यायवाची शब्द है - 1

(क) अश्रु

(ख) संसार

(ग) मिट्टी

(घ) प्रसन्नता

खंड 'ख'

प्र 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए - (12 अंक)

निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए:

1. सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा कहलाती है - (1)

(क) बोली (ख) उपभाषा

(ग) राष्ट्रभाषा (घ) इनमें से कोई नहीं

2. संयुक्त व्यंजन है - (1)

(क) श, त्र, ज्ञ, श्र (ख) क्ष, त, ज्ञ ,श्र

(ग) क्ष, त्र, ज्ञ ,श्र (घ) इनमें से कोई नहीं

3. 'प्रधानमंत्री' शब्द है- (1)

(क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग

(ग) स्त्रीलिंग व पुल्लिंग दोनों के साथ प्रयुक्त शब्द

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. 'अपादान कारक' का 'से' प्रयुक्त होता है - (1)

(क) डर हेतु (ख) शोक हेतु

(ग) जुदाई हेतु (घ) तुलना हेतु

5. 'इतिहास' शब्द का विशेषण रूप है - (1)

(क) इति हासिक (ख) ऐतिहासिक

(ग) ऐतिहास। (घ) इतिहासात्मक

6. य्, र, ल्, व हैं - (1)

(क) ऊष्म व्यंजन (ख) अंत:स्थ व्यंजन

(ग) स्पर्श व्यंजन (घ) अयोगवाह व्यंजन

7. पेड़ों पर पक्षी बैठे हैं | (1)

(निम्नलिखित वाक्य से कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए)

8. 'अलमारी' शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए | (1)

9. निम्नलिखित शब्द का वचन बदलकर लिखिए – 'शाखा' (1)

10. 'हिमालय' शब्द की संज्ञा कौन-सी है ? (1)

11. उत्तर लिखिए : (1)

शब्द किसे कहते हैं ?

12. प्रयोग के आधारपर शब्द है ———— और ———— (1)

खंड 'ग'

प्र 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (कोई—3) **(6 अंक)**

(1) आप अपनी किसी यात्रा के खट्टे-मीठे अनुभवों को याद करते हुए एक लेख लिखिए |

(2) पाठ के आधार पर बदलू का वर्णन कीजिए ?

(3) बलि-वीर एक स्थान पर टिककर क्यों नहीं रहते ?

(4) लोगों ने लेखक और उनके मित्रों को शाम वाली बस से न जाने की सलाह क्यों दी ?

खंड 'घ' **(10 अंक)**

प्र 5. अपठित बोध : **(5)**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सद्वृत्ति, उत्तम स्वभाव, सद्व्यवहार, आचरण, हृदय की कोमलता आदि गुणों से युक्त व्यक्ति को ही हम शिलवान कह सकते हैं | ये ही सद्गुण जीवन के लिए परम आवश्यक है | मानव को मानव बनाने वाली यही पूर्णता पाली में 'पारमिता' के नाम से जानी जाती है | मनुष्य में शिल का होना आवश्यक ही नहीं, वरन इसकी पूर्णता भी आवश्यक है |

शीलयुक्त व्यवहार मनुष्य की प्रकृति और व्यक्तित्व को उद्घाटित करता है | उत्तम, प्रशंसनीय और पवित्र आचरण ही शील है | शीलयुक्त व्यवहार प्रत्येक व्यक्ति के लिए हितकर है | इससे मनुष्य की ख्याति बढ़ती है | शीलवान व्यक्ति सबका हृदय जीत लेता है | शीलयुक्त व्यवहार से कटुता दूर भागती है | इससे आशंका और संदेह की स्थितियाँ कभी उत्पन्न नहीं होतीं | इससे ऐसे सुखद वातावरण का सृजन होता है, जिसमें सभी प्रसन्नता का अनुभव करते हैं | शिलवान व्यक्ति अपने संपर्क में आनेवाले सभी लोगों को सुप्रभावित करता है | शील इतना प्रभुत्व पूर्ण होता है कि किसी कार्य के बिगड़ने की नौबत नहीं आती |

अधिकारी-अधीनस्थ, शिक्षक-शिक्षार्थी, छोटों-बड़ों आदि सभी के लिए शीलयुक्त व्यवहार समान रूप से आवश्यक है | शिक्षार्थी में यदि शील का अभाव है तो वह अपने शिक्षक से वांछित शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकता |शीलवान अधिकारी या कर्मचारी में आत्मविश्वास की वृद्धि स्वत: ही होने लगती है और साथ ही उनके व्यक्तित्व में शालीनता आ जाती है | इस अमूल्य गुण की उपस्थिति में अधिकारी वर्ग और अधीनस्थ कर्मचारियों के बीच, शिक्षकगण और विद्यार्थियों के बीच तथा शासक और शासित के बीच मधुर एवं प्रगाढ़ संबंध स्थापित होते हैं और प्रत्येक वर्ग की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है | इस गुण के माध्यम से छोटे-से-छोटे व्यक्ति बड़ों की सहानुभूति अर्जित कर लेता है |

प्रश्न-

(क) कैसे व्यक्ति को हम शीलवान कह सकते हैं ? 1

(ख) शीलयुक्त व्यवहार से मनुष्य को क्या लाभ होते हैं ? 1

(ग) शिक्षार्थी में यदि शील का अभाव है तो उसे क्या हानि होगी ? 1

(घ) शालीन व्यवहार से समाज में क्या परिवर्तन देखे जा सकते हैं? 1

(ङ) शील गुण की क्या विशेषता है ? 1

प्र 6. निम्नलिखित विषय पर संवाद लेखन किजिए : **(5)**

आने वाली दीपावली के त्योहार को लेकर दादी और पोते के बीच संवाद लिखिए |